साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
+91 9479535569

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 | अंक 36 | प्रति सोमवार इंदौर, 08 अप्रैल से 14 अप्रैल 2024 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- रुपए

इस्त्राइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा ईरान

अमेरिका को दी चेतावनी- बीच में मत आना

ईरान, इस्त्राइल पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। साथ ही ईरान ने अमेरिका से कहा है कि वह बीच में न आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने वॉशिंगटन को एक लिखित संदेश भेजा है। इस संदेश में ईरान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए और नेतन्याहू के जाल में नहीं फंसना चाहिए। दरअसल हाल ही में सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। ईरान ने इसका आरोप इस्त्राइल पर लगाया है। इसी हमले के जवाब में ईरान, इस्त्राइल के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

ईरान ने दी धमकी

ईरानी राष्ट्रपति के राजनीतिक मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद जमशीदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि अमेरिका को बीच में नहीं आना चाहिए, ताकि वह हमले की चपेट में न आ जाए। जमशीदी ने कहा कि अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना न बनाए। हालांकि अमेरिका ने अभी तक ईरान के संदेश पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका भी हाई अलर्ट पर है और इस्त्राइल में अपने ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। बीते दिनों सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरानी सेना के एक वरिष्ठ जनरल समेत 13 लोग मारे गए थे। ईरान इस हमले का आरोप इस्त्राइल पर लगा रहा है, लेकिन इस्त्राइल ने आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पश्चिम एशिया में लड़ाई बढ़ने की बढ़ी आशंका

इस्त्राइल द्वारा काफी दिनों से सीरिया में ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमला किया जा रहा था, लेकिन ताजा हमला अपने आप में पहला है, जिसमें ईरानी दूतावास को निशाना बनाया गया। ईरानी दूतावास पर हमले में हिजबुल्ला के लड़ाके भी मारे गए हैं। अब हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्ला ने शुक्रवार को कहा कि 'बेशक ईरान जवाब देगा', लेकिन उन्होंने कहा कि 'हिजबुल्ला इसमें कोई दखल नहीं देगा।' इस्त्राइल हमास युद्ध के बीच ईरान द्वारा इस्त्राइल पर हमले की तैयारी से संघर्ष के पश्चिम एशिया के बड़े इलाके में फैलने का डर भी पैदा हो गया है।

(शेष पेज 7 पर)

सीबीआई, ईडी और आईटी की अति क्यों..?

आखिर सरकारी एजेंसियां नेताओं के इशारे पर क्यों नाच रही..?

40 वर्षों के बाद भारत में लोक सभा के चुनाव परिणाम पहले से ही विदित हैं। बीजेपी अर्थात मोदी का सरकार बनाना निश्चित है। विपक्ष ने एकजुट होने के गंभीर प्रयास किये हैं, परंतु वह जनता में विश्वसनीय नहीं बन सका है। विपक्ष मन ही मन हतोत्साहित और हताश है। 2019 में थोड़ा-बहुत चुनाव परिणामों में अनिश्चितता बनी हुई थी, परंतु अब 10 वर्ष की तथाकथित एंटी इंकम्बेंसी के बाद चुनाव परिणाम आश्चर्यजनक रूप से निश्चित हैं। लोक सभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में केंद्रीय एजेंसियों **CBI, ED, IT** और इंकम टैक्स की अति सक्रियता से विपक्ष के नेताओं के अतिरिक्त निष्पक्ष प्रेक्षक तथा उदारवादी मोदी समर्थक भी हतप्रभ हैं। चुनावों के ठीक पहले झारखंड तथा दिल्ली के मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तार से प्रश्न उठने स्वाभाविक है। बहुत बड़ी संख्या में राजनीतिक नेताओं के विरुद्ध **CBI** और **ED** में अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं और उन्हें लगातार समन भेजे जा रहे हैं। बंगाल के मंत्रियों तथा लालू परिवार के विरुद्ध भी कार्रवाई चल रही है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र में ये एजेंसियां बहुत सक्रिय हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट भी अचानक अति सक्रिय हो गया है। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को उसने एक के बाद एक नोटिस भेज कर उसे असंतुलित कर दिया है। भारत के पश्चिमी मित्र देशों में भी इसकी प्रतिक्रिया हुई है और जर्मनी तथा अमेरिका ने तो औपचारिक रूप से चुनावों की निष्पक्षता बनाए रखने की अपील की है।

यहाँ तक कि **UN** के एक प्रवक्ता ने भी इस ओर इशारा किया है। यद्यपि भारत ने इस सब को आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कह कर खारिज कर दिया है, परन्तु फिर भी यह स्थिति भारत जैसे विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र के लिए शोभनीय नहीं है। मतदाताओं में मोदी के प्रति बहुत सदाशयता है। मोदी ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए गरीब वर्ग के लोगों को सामाजिक और आर्थिक योजनाओं का लाभ पहुँचाया है। देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। पीएम आवास योजना से निर्धनतम लोगों को भी स्वयं का मकान प्राप्त हुआ है। रसोई गैस और शौचालय निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है।

(शेष पेज 7 पर)

चीन की इलाके हथियाने की नीति

6 देशों की 41.13 लाख स्क्वायर किमी जमीन पर चीन का कब्जा, ये उसकी कुल जमीन का 43%, भारत की भी 43 हजार वर्ग किमी जमीन उसके पास

1949 में कम्युनिस्ट शासन आते ही चीन ने तिब्बत, पूर्वी तुर्किस्तान और इनर मंगोलिया पर कब्जा किया; हॉन्गकॉन्ग 1997 और मकाउ 1999 से कब्जे में देश, जमीन के अलावा समंदर पर भी चीन की दावेदारी, 35 लाख स्क्वायर किमी में फैले दक्षिणी चीन सागर पर हक जताता है, यहां आर्टिफिशियल आइलैंड भी बना चुका

रूस और कनाडा के बाद सबसे बड़ा देश है चीन। चीन का कुल एरिया 97 लाख 6 हजार 961 वर्ग किमी में फैला हुआ है। चीन की 22 हजार 117 किमी लंबी सीमा 14 देशों से लगती है। ये दुनिया का पहला ऐसा देश है, जिसकी सीमाएं सबसे ज्यादा देशों से मिलती हैं और इन सभी देशों के साथ चीन का किसी न किसी तरह का सीमा विवाद चल रहा है।

चीन के नक्शे में 6 देश पूर्वी तुर्किस्तान, तिब्बत, इनर मंगोलिया या दक्षिणी मंगोलिया, ताइवान, हॉन्गकॉन्ग और मकाउ देखे ही होंगे। ये वो देश हैं, जिन पर चीन ने कब्जा कर रखा है या इन्हें अपना हिस्सा बताता है। इन सभी देशों का कुल एरिया 41 लाख 13 हजार 709 वर्ग किमी से ज्यादा है। यह चीन के कुल एरिया का 43% है।

चीन ने पूर्वी तुर्किस्तान पर 1949 में कब्जा किया था। चीन इसे शिनजियांग प्रांत बताता है। यहां की कुल आबादी में 45% उइगर मुस्लिम हैं, जबकि 40% हान चीनी हैं। उइगर मुस्लिम तुर्किक मूल के माने जाते हैं। चीन ने तिब्बत की तरह ही शिनजियांग को भी स्वायत्त क्षेत्र घोषित कर रखा है।

2. तिब्बत

23 मई 1950 को चीन के हजारों सैनिकों ने तिब्बत पर हमला कर दिया और उस पर कब्जा कर लिया। पूर्वी तुर्किस्तान के बाद तिब्बत, चीन का दूसरा सबसे बड़ा प्रांत है। यहां की आबादी में 78% बौद्ध हैं। 1959 में चीन ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को बिना बॉडीगार्ड के बीजिंग आने का न्योता दिया था, लेकिन उनके समर्थकों ने उन्हें घेर लिया था, ताकि चीन गिरफ्तार न कर सके। बाद में दलाई लामा को भारत में शरण लेनी पड़ी। 1962 में भारत-चीन के बीच हुए युद्ध के पीछे ये भी एक कारण था।

3. दक्षिणी मंगोलिया

दूसरे विश्व युद्ध के बाद चीन ने इनर मंगोलिया पर कब्जा कर लिया था। 1947 में चीन ने इसे स्वायत्त घोषित किया। एरिया के हिसाब से इनर मंगोलिया, चीन का तीसरा सबसे बड़ा सब-डिविजन है।

4. ताइवान

चीन और ताइवान के बीच अलग ही रिश्ता है। 1911 में चीन में कॉमिंगतांग की सरकार बनी। 1949 में यहां गृहयुद्ध छिड़ गया और माओ त्से तुंग के नेतृत्व में कम्युनिस्टों ने कॉमिंगतांग की पार्टी को हराया। हार के बाद कॉमिंगतांग ताइवान चले गए। 1949 में चीन का नाम 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना' पड़ा और ताइवान का 'रिपब्लिक ऑफ चाइना' पड़ा। दोनों देश एक-दूसरे को मान्यता नहीं देते। लेकिन, चीन दावा करता है कि ताइवान भी उसका ही हिस्सा है।

(शेष पेज 7 पर)

संपादकीय

जनता की बर्बादी के लिए जनता ही जिम्मेदार

लोकतांत्रिक राष्ट्रों की सत्ता में चुनाव सत्ताओं को चलाने के लिए लोक अर्थात चिंता के बीच में से चुनकर जनता के ही प्रतिनिधि सत्ता में भेजे जाते हैं और इस प्रकार चुनाव एक लोकतांत्रिक सातों का एक महत्वपूर्ण अंग होता है परंतु लोकतांत्रिक राष्ट्रों की सत्ता में वहां के जालसाजी घोर धूर्त पूंजीपति छल कपट से जो उन्होंने पैसा एकत्रित किया होता है उसे वह उसे चुनाव की महत्वपूर्ण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभिन्न शक्तिशाली और राजनीतिक दलों के राजनीतिज्ञों को चुनाव जीतने के लिए धन देकर आसानी से अपने चंगुल में फंसा लेती हैं सत्ता में आने के बाद वही राजनीतिज्ञ दिल से उन्होंने चुनाव के लिए चंदा लिया था उनके सारे पर नाचने के लिए मजबूर होते है उनके पूंजीपति मित्रों के लिए वे कानून बनाते हैं ताकि अपने मित्रों को अधिकतम लाभ पहुंचा सके चाहे उसे जनता का कितना भी नुकसान और शोषण और बर्बादी हो।

यह पूंजीपति बहुराष्ट्रीय कंपनियां देसी विदेशी भी होती है और दुनिया का सबसे बड़ा षड़यंत्रकारी वर्णसंकर धूर्त जालसाज लोगों के देश अमेरिका उसके घोर षड़यंत्रकारी संगठन विश्व शैतान संघ या यूएनओ, विश्व घातक स्वास्थ्य संगठन, विश्व आतंकी व्यापार संगठन व अन्य उनसे जुड़े हुए अनुषांगिक संगठनों में बैठे धूर्तों पूंजीपतियों जिसमें हथियार उत्पादक पेट्रो रसायन औषधीय स्वास्थ्य उपकरण इलेक्ट्रॉनिक इलेक्ट्रिकल गुड्स आदि उत्पादकों ने हीं इन संगठनों में इनकी शिकारी धन लगा होने के कारण उसमें बैठाए गये सारे अधिकारी कर्मचारी जूते विश्व के लोकतांत्रिक राष्ट्रों की सरकारों को खरीद कर वहां पर अपने मनमर्जी के कानून थोपते हैं। जैसे कि भारत में 1966 में बीज अधिनियम 67 में कीटनाशक अधिनियम 68 में खाद अधिनियम ठोक कर भारत के पारंपरिक लाखों साल पुराने अच्छे अनाज दलहन तिलहन कपास सब सब्जी फल फूल मसाले जड़ी बूटियां आदि के बीजों को अपनी संपत्ति बना उनमें अनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें हाइब्रिड बीटी और जीएम में बदल दिया। अब अधिकांश अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों फसलों के बीजों से एक फसल ली जा सकती है। दूसरी फसल के लिए उन्हीं के बीज आयात करना पड़ता है। उसका भी हमें गुलाम बना दिया। घातक खाद, कीटनाशक अधिकांश विदेशियों से आयात करना पड़ता है। अर्थात विदेशी घातक खाद बीज रसायनों से उत्पन्न होने वाली बीमारियां और उनकी दवाइयां मशीन बेचने से लेकर, वे विदेशी हमारे भोजन आदि तक को नियंत्रित कर हमें पूरी तरीके से गुलाम बनाकर हमारे बिकी हुई मानसिकता की सत्ताधीशों के कारण इसकी जनता का शोषण करने पर तुले हुए हैं। जिसके लिए हमारा ही वोट जिम्मेदार है। बेशक हमारे देश की 70% जनता चुनाव को मौज मस्ती खाने-पीने शराब आने वस्तुओं का तात्कालिक उपभोग करके हमारे वोट देने की गंदी मानसिकता ही हमें गुलाम बनाने के लिए जिम्मेदार है क्योंकि उम्मीदवारों ने वह पैसा किसी न किसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पूंजीपतियों से लेकर ही तो मतदाताओं को बांटा था। स्वाभाविक है जिससे पैसा लिया वह चुनाव के मतदान के समय मतदाताओं को बांटा था उनसे वोट लेकर सत्ता प्राप्त करने के बाद उनके इशारे पर नाचना उनके लाभ के लिए काम करना देश और देश की जनता को बर्बाद करना उनका परम कर्तव्य बन जाता है उन्हें कदापि मतलब नहीं कि देश व उस की जनता का भविष्य बर्बाद हो जाएगा।

यदि पिछले दो चुनाव में आपराधिक मानसिकता के वाचालों के झूठे वादे और भाषा में उलझाकरयदि वोट नहीं दिया होतातो देश में गरीबी बेरोजगारी भुखमरी बीमारी का इतना खतरनाक संकट देश की जनता को नहीं भोगना पड़ता। कहानी जनता तक ही समिति रही उल्टे ही वह देश की सीमाओं पर अंदर घुसकर कालोनियां बनाने 93000 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा करने, देश के 300 से ज्यादा स्थानों के नाम बदलकर अपनी सीमा में दिखाने की पड़ोसी हिम्मत नहीं कर सकते थे पर हमारे सत्ताधीशों ने तो अपने पीएम केयर फंड में शत्रु देश चीन की कंपनियों से ही हजारों करोड़ को चंदा लिया था। इलेक्टोरल बॉन्ड में पाकिस्तान की हब पावर कंपनी से चंदा लिया, हर महीने चोरी छुपे अपने ही देश की बिजली चोरी करके हजारों करोड़ की बिजली बेंच कर पाकिस्तान को बेचने उसे गलबहियां करते हैं। फिर उन सद्दा जिंसों के रक्षा मंत्री सामने से चिल्लाते हैं हम घुसकर मारेंगे। और अपनी बैटरी दिखाने के लिए झूठ ही समाचार पत्र प्रकाशित करवा कर बताते हैं कि शत्रु पड़ोसी देश हमारी धमकी से कांप उठा है। लद्दाख के नेता वांगचूक सोनम चीन का सच बताने के लिए आंदोलन करते हैंप्रदर्शन करते हैंऔर मार्च निकालने की बात करते हैंतो अपने कुकर्मों को छुपाने और शत्रुओं से मित्रता निभाना वहां धारा 144 लगा देते हैं?

अब ऐसे घर निगम में सत्ताधीशों को आखिर वोट किसने दिया था। हम ही नहीं तात्कालिक नोट सामग्री शराब लेकर अगर वोट दिया है तो स्वाभाविक है हमारे ही अपराधिक वाचालों की सब जानबूझकर भी भय, लालच की अंधभक्ति का ही परिणाम हम भोग रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन अपनी जालसाजी दिखाती है पर उसको हटाने के लिए भी क्या जनता बाहर निकली। आवाज उठाई पदयात्रा की अपना आक्रोश प्रदर्शित किया। नहीं हमने घोर धूर्त सत्ताधीशों का प्रत्यक्ष भुखमरी बेरोजगारी बीमारी से हुई बर्बादी के सच को त्याग व भूलकर हम जनता घोर मक्कार आलसी मुफ्त के राशन और सुविधाओं में मस्त रहकर हमने उन्हें पूरी बर्बादी की स्वयं खुली छूट दी।

चलिए फिर वक्त सामने है। देश में बेरोजगारी महंगाई भूख बीमारी के लिए जिम्मेदार बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उनके इशारे पर नाचने वाले हमारे अपराधिक मानसिकता के जाहिल गंवार बिकाऊ वाचाल घोर स्वार्थी सत्ताधीशों को अब तो हम बाहर करें। सकीना केवल अपनी सभी प्रकार की बर्बादी को रोककर अपने आने वाली पीढ़ियों व देश के भविष्य को सुरक्षित कर सकेंअन्यथापड़ोसी शत्रु चीन और पाकिस्तान में हमें चारों तरफ से घेर लिया है?। के साथ देश पर भारी कर्ज लादने देश की पूर्व की सरकारों द्वारा निर्मित व प्राकृतिक संपत्तियों कंपनियों उद्योगों को देसी विदेशी कंपनियों को सौंप कर चारों तरफ से जकड़ कर बर्बाद किया जा रहा है उसको हम समझदारी पूरी तरीके से भारी सोच समझकर मतदान कर वर्तमान सत्ता को उखाड़ फेंक, रोक कर देश देश की जनता और आने वाली वीडियो को बचा सकें।

गरीबों के खाते, करोड़ों का ट्रांजेक्शन

गुजरात होते हुए इंदौर से इंडोनेशिया पहुंचे अरबों रुपए

धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रही इंदौर क्राइम ब्रांच की टीम को एक बड़ी जानकारी हाथ लगी है। कुछ लोगों से पैसे पर अच्छा ब्याज देने के नाम पर ठगी हुई थी। पीड़ित लोगों की शिकायत पर जांच शुरू हुई तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। ठगी करने वाला गिरोह गरीब लोगों से अकाउंट लेते थे। इन अकाउंट में जमा होने वाली राशि पर उन्हें 30 फीसदी कमीशन देते थे। उन खातों में जमा रुपए को गुजरात पहुंचाया जाता था, वहां से इसे इंडोनेशिया भेजा जाता था। इंडोनेशिया में बैठे गिरोह के लोगों के पास इंदौर से करोड़ों रुपए पहुंच गए हैं। पुलिस अब मामले की जांच विस्तार से कर रही है।

इंदौर में था जालसाजों का बेस

इन ठगों ने ठगी के लिए इंदौर के महालक्ष्मी नगर में अपना बेस बना रखा था। ये लोग द वाइन ग्रुप के नाम से एक फर्म चलाते थे। शिकायत पर पुलिस ने मानव, आदित्य मालवीय और मुकेश बोड़ोतर को गिरफ्तार किया था। इन लोगों ने पूछताछ में बताया कि गिरोह का संचालन एक होटल से हो रहा था। गिरफ्तार लोगों का काम था कि गरीब, मजदूर और जरूरतमंदों का बैंक अकाउंट खोलवाए। इनके नाम पर अकाउंट खोलवाकर जालसाजों को भेजते थे। इन्हीं खातों का इस्तेमाल ट्रांजेक्शन के लिए किया जाता था।

खाते के बदले में मिलता था कमीशन

वही, गिरफ्तार लोगों को खाते खुलवाने के लिए कोई वेतन नहीं मिलता था। इनकी तरफ से जो खाते खुलवाए जाते और उसमें जो ट्रांजेक्शन होता था, उस पर 30 फीसदी कमीशन मिलता था। इनके खुलवाए खाते में हर दिन करोड़ रुपए जमा होते थे।

राजस्थान के हनुमानगढ़ में खुले खाते में 800 करोड़ का ट्रांजेक्शन

जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में इन लोगों ने एक अनाज फर्म के नाम पर अकाउंट खुलवाया था। इस अकाउंट से 800 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। जानकारी के मुताबिक यह राशि गुजरात होते हुए इंडोनेशिया पहुंच गई। पुलिस ने अभी तक 20 खातों की जांच की है। आगे चलकर यह राशि बढ़ भी सकती है।

ऐसे होती थी ठगी

दरअसल, ठगी का यह कारोबार में द वाइन ग्रुप के नाम पर चलता था। इसका संचालक होटल में बिना थूक के रुकता था। यहां एजेंट को लालच देकर कमीशन पर काम करवाता था। वही, वह ठगी के शिकार लोगों से कहता था कि उनकी कंपनी द वाइन ग्रुप विदेशों में शराबी की सप्लाई करती है। आप निवेश कर हम आपकी राशि कुछ दिनों में डबल कर देंगे। लोगों ने जब करोड़ों रुपए इनके झांसे में आकर जमा कर दिए तो साइट और व्हाट्सएप ग्रुप को बंद कर दिया। इसके बाद लोगों को ठगी का एहसास हुआ।

बैंक के एजेंटों से संपर्क में रहते थे ठग

यही नहीं, अलग-अलग बैंकों के एजेंट से ये लोग संपर्क में रहते थे। उनसे फर्जी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन करवाकर अकाउंट खुलवाते थे। उस करंट अकाउंट में करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन करते थे। बाद में यह राशि इंडोनेशिया भेजी जाती थी।

कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़

खाद बीज मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं

साधनों के अभाव में बंद...

स्टाफ मशीनें रसायन के अभाव के कारण कृषकों के साथ देश की अर्थव्यवस्था की बर्बादी

21वी शताब्दी 24 साल गुजर जाने के बाद भी हमारी घोर भ्रष्ट निकम्मी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इशारे पर नाचने वाली सरकारें और उसको चलाने वाले महाधूर्त घोर बदतमीज भ्रष्ट भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी जो इस देश के कर्णधार हैं। बड़ा ही उन्हे किसी भी विभागके मामले में उस विद्या का क ख ग घ ना भी आता हो। जो भी उसके संचालक आयुक्त प्रधान सचिव बनाकर बैठा दिए जाते हैं। जिन्हे केवल अपने विभाग के अंतर्गत काम करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों जो उनके लिए भेड़ बकरियां होती हैं और जनता दिन के लिए कीड़े मकोड़े होती है प्रताड़ित करके हरामखोर कमीशन खोरी से मोटी वसूली और भ्रष्टाचार करने में लगे रहते हैं। जिसका सीधा कर सरकारी विभागों जनता और किसानो पर पड़ता है प्रदेश के 52 जिलों के 310 से ज्यादा विकास खंडो में कृषि फसलो के उचित उत्पादन के लिए काम कर रही मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं जिनके बारे में मोदी बड़े शान से घोषणा करते रहे हैं कि सभी कृषकों की भूमि के मृदा कार्ड बना दिए गए हैं ताकि किसी भूमि में किस तत्व की कमी होने के कारण किस फसल के लिए कितनी खाद कौन सा बीज किस फसल में कितना कीटनाशक आदि लगेगा ताकि भरपूर पैदावार मिल सके जिससे न केवल किसान जनता बल्कि देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होके लिए मृदा परीक्षण प्रयोग शालाये तो हर विकासखंड में खड़ी कर दी गई और जिला स्तर पर खाद बीज परीक्षण प्रयोगशालाएं भी मोटे कमीशन पर निर्मित भवनों में स्थापित अवश्य कर दी गई परंतु में पर्याप्त मशीनें और परीक्षण में लगने वाले रसायनो में भारी कमीशन खोरी कि आस में आपूर्तिकर्ता के न मिलने के कारण आपूर्ति नही की जा रही है दूसरी तरफ हर जिला स्तर की खाद बीज कीटनाशक मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में सहायक संचालक जोश का प्रभारी होता है होना चाहिए जिसके अंतर्गत कम से कम पांच लैब टेक्नीशियन व अन्य स्टाफ होना चाहिए जिनका पूरी तरीके से अभाव है इंदौर की आईटी पार्क स्थित प्रयोगशाला में वहां की कर्मचारियो से मेरी मुलाकात हुई तो उन्होने बताया की ना तो सहायक संचालक है और कम से कम 20 आदमियों का स्टाफ होना चाहिए उसमे से मात्र दो कर्मचारी ही काम कर रहे हैं। बीज परीक्षण प्रयागशाला किसानो को बोने के लिए दिए जाने वाले बीजो का परीक्षण करती है और देखते हैं कि वह कम से कम 60 से 80% तक अंकुरण की क्षमता रखते हैं या नही वह इसके साथ ही हर बीज का दाना भी हष्ट पुष्ट पर्याप्त वजन व गुणवत्ता का हो। यह भी देखा जाता है ताकि उससे उत्पन्न होने वाली फसलभी मौसम के प्रभाव के साथ अच्छी उच्च गुणवत्ता की फसल पैदा कर सके की देख रेख की जाती है। वही हलकट का है की खेती में डाली जाने वाली खादमें पर्याप्त मात्रा में रसायन हो। बेशक इसके पीछे गहरा लंबाऔर भारी षड्यंत्र होता है क्योंकि अधिकांश बीज समितियां जो बीच प्रमाणीकरण संस्था के अंतर्गत आती हैं और बीज अधिनियम 1968 के अंतर्गत कार्य करती है। में भी पर्याप्त स्टाफ के अभाव में बीज उत्पादक समितियों में भी पर्याप्त निरीक्षण के लिए निरीक्षकों व वैज्ञानिकों का अभाव होने के कारण नीम अनुसार कोई भी कार्य नही होता अधिकांश बीज समितियां और उसके अध्यक्ष उपाध्यक्ष राजनीतिक किसानों के चंगुल में है। इसलिए 90% बीज समितियां कोई कार्य नही करती उल्टे ही वह जालसाज बाजार से सोयाबीन गेहूं चना मूंग उड़द सीधे ही मंडियों से खरीद बुआई के बीजो के लिये उसको ही चलना छलना लगाकर साफ करके एक तरफ सरकार संविधान लेती हैं दूसरी तरफ बीज प्रमाणीकरण अधिकारी को पैसा देकर उस पर बीज प्रमाणीकरण संस्था से टैगिंग करवा लेती हैं। और आसानी से उसे उत्तर हिंद बीच को भी किसानों को बी के नाम पर दोगुनी चौगुनी से लेकर 10 गुनी कीमत तक बेचा जाता है। अधिकांश जिलों के कृषि विभाग के उपसंचालक बीज विक्रेताओं से मोटा कमीशन खाकर उनको न केवल अनुज्ञप्ति प्रदान करते हैं पुनर नवीनीकरण करते हैं। खाना पूर्ति के लिए उनके खाद बीज कीटनाशकआदि के नमूने लेने की औपचारिकताएं पूरी कर प्रमाणित कर देते हैं जहां तक इंदौर में बैठे उपसंचालक राजपूत जिसको 3 साल से ज्यादा हो गए हैं और संयुक्त संचालक घोर भ्रष्ट आलोक मीना जिसके पास इंदौर उज्जैन संभाग के 15 जिले हैं अपना महीना खाकर चुप बैठे रहते हैं। अर्थातन केवल प्रयोगशालाएं बल्कि वाहन विभाग में बैठे संचालक उप संचालक सहायक संचालक जिनमें कुछ को तो 10 से 15 साल इंदौर में ही हो गए हैं स्थानांतरित नही किए जाने के साथ अधिकांश का चुकी मध्य प्रदेश इंदौर का बड़ा जिला होने के साथ अधिकांश खाद बीज कीटनाशक आदि के उत्पादको वितरको के कार्यालय इंदौर में है उनको चमका धमकाकर वसूली करने में लगे रहते हैं परंतु पर्याप्त और उचित जांच नही की जाती किसने की फैसले अच्छी हो और इस तरह भी के कारण किसान की फसल बिगड़ती है और वह ठगा जाता हैतो चिल्लाकर रो गा कर रह जाता है।

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में मिट्टी का परीक्षण बंद

रायसेन जिले में किसानों के खेतों की मिट्टी को कित तत्वों, किन रसायनों की जरूरत है, यह पता करना किसानों के लिए मुश्किल हो गया है। वर्ष 2014 में केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद खेतों की मिट्टी का परीक्षण कर उसका हेल्थ कॉर्ड किसानों को देने की योजना आई थी। उसके बाद हर जिले के हर ब्लॉक स्तर पर एक-एक मिनी लैब स्थापित की गई थीं। यह काम तेजी से चला और हर किसान के खेत की मिट्टी की जांच कर उन्हे हेल्थ कार्ड देने के साथ मिट्टी में तत्वों की कमी आदि के बारे में बताया गया, किसानों को जरूरी रसायनों का उपयोग करने की सलाह दी गई। यह हेल्थ कार्ड तीन साल के लिए उपयोगी था। इस प्रयोग और योजना को आगे भी जारी रखने के लिए सरकार ने हर विकासखंड पर पूर्ण लैब स्थापित करने की योजना बनाई, जिसके तहत हर जगह लगभग 25 से 30 लाख रुपए खर्च कर भवन बनाए गए, उनके कंप्यूटर सहित अन्य मशीनें दी गईं, लेकिन आज तक ये लैब शुरू नहीं हो सके।हालांकि मिट्टी के नमूनों की जांच करने के लक्ष्य अभी भी दिए जा रहे हैं, जिनमें विभाग का अमला केवल खानापूर्ति ही कर रहा है। रायसेन में केवल एक लैब जिला मुख्यालय पर ही चालू हालत है, वह भी कृषि मंडी की अपनी पुरानी लैब है, जिसे कृषि विभाग के अधीन कर दिया गया था। पहले प्रोजेक्ट में मिली मिनी लैब में मिट्टी में एनपीके की जांच की गई।

जानें विशेषज्ञ से कैसे की जाए जांच

कृषि विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी एनपी सक्सेना बताते हैं कि जांच के लिए खेतों की मिट्टी का नमूना फसल कटने के बाद लेना चाहिए। इसके लिए सबसे उपयुक्त समय रबी फसल कटने के बाद का होता है। नमूना के लिए खेत में लगभग छह इंच का चौकोर गड्ढा कर उसकी दीवारों से मिट्टी खुरच कर निकाली जाती है। हर फसल के बाद मिट्टी का स्टेटस बदल जाता है, ऐसे में फसल कटने के कुछ दिन बाद नमूना लेना उचित होता है।

फलहाल हो ये रहा है

कृषि विभाग के सूत्र बताते हैं कि फिलहाल जांच की औपचारिकता ही की जा रही है। सरकार से लक्ष्य मिलते हैं, लक्ष्य मिलते ही कर्मचारी खेतों की ओर दौड़ते हैं और मिट्टी लेकर जांच के लिए भेज देते हैं। चाहे खेतों में फसल खड़ी हो, पानी चल रहा हो या हाल ही में फर्टिलाइजर का छिड़काव हुआ है।

इसलिए फैल हुई योजना

केंद्र सरकार ने हर विकासखंड में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित विकासखंडो में लैब स्थापित करने का सरकार का सपना ब्यूरोक्रेट्स की नीतियों की भेंट चढ़ गया। लैब के लिए भवन तो बनवा दिए, लेकिन उनके लिए कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गई। वर्तमान हालातों में कृषि विभाग के पास इतने कर्मचारी भी नहीं हैं कि मिट्टी के नमूने भी एकत्र कर सकें। बावजूद इसके जांच का लक्ष्य अभी भी दिया जा रहा है। हर महीने नमूनों की जांच का लक्ष्य मिलता है। यह लक्ष्य देने वाले न तो समय देखते हैं न यह सोचते कि इस जांच से किसानों को क्या लाभ होगा, बल्कि गलत जानकारी ही दी जा रही है।

इसलिए जरूरी है मिट्टी की जांच

मिट्टी की जांच से हमें मिट्टी में उपस्थित पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। फसलों में उर्वरकों का संतुलित मात्रा में उपयोग करने के लिए मिट्टी परीक्षण आवश्यक है। पौधों की वृद्धि के लिए 17 पोषक तत्वों कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम, सल्फर, जस्ता, लोहा, कापर, मैग्नीज, फ्लोरीन, क्लोरीन, बोरान, निकिल तथा मोलिबडिनम आवश्यकता होती है। जिसमें कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन प्रकृति से मिल जाते हैं। फसलों के लिए मुख्य रूप से नाइट्रोजन, स्फूर व पोटाश की आवश्यकता होती है। मिट्टी में इनकी उपलब्धता का पता करने जांच जरूरी है। साथ ही पीएच, ईसी, जैविक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की जानकारी प्राप्त होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष 08 अप्रैल को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन यानी 09 अप्रैल 2024 को रात को 08 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो जाएगी।

9 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि आरंभ

जानिए घटस्थापना शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और नियम

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। एक वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती है, पहला चैत्र नवरात्रि, दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि आरंभ हो जाती है। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ होने के साथ ही नया हिंदू वर्ष भी आरंभ होता है। चैत्र नवरात्रि पर लगातार 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और मंत्रोचार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर देवी दुर्गा पृथ्वी लोक आती है और अपने सभी भक्तों की हर एक मनोकामना को पूर्ण करती हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 09 अप्रैल, मंगलवार से शुरू हो रहे हैं और समापन 17 अप्रैल को राम नवमी पर होगा। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त कब रहेगा, पूजा विधि और नवरात्रि के बारे में सबकुछ....

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व पर देवी दुर्गा की आराधना का महापर्व शुरू होता है। नवरात्रि के पहले दिन यानी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए करना शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहेगा। यानी पंचक के समाप्त के बाद घट स्थापना करना शुभ रहेगा। 09 बजकर 11 मिनट पर अशुभ चौघड़िया रहेगा इस कारण से इस समय घट स्थापना न करें। पंचांग की गणना के मुताबिक शुभ चौघड़िया 09 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं। 09 अप्रैल को कलश स्थापना के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। क्योंकि यह अभिजीत मुहूर्त है। कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा इस समय वैधृत योग और अश्विनी नक्षत्र का संयोग भी रहेगा। ऐसे में घटस्थापना, पूजा का संकल्प लेना और मंत्रों का जाप करना शुभ फलदायी रहेगा।

- ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04:31 से 05: 17 तक
- अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:57 से दोपहर 12: 48 तक
- विजय मुहूर्त- दोपहर 02:30 से दोपहर 03: 21 तक
- गोधूलि मुहूर्त- शाम 06:42 से शाम 07: 05 तक
- अमृत काल: रात्रि 10:38 से रात्रि 12: 04 तक
- निशिता काल: रात्रि 12:00 से 12: 45 तक
- सर्वार्थ सिद्धि योग: सुबह 07:32 से शाम 05: 06 तक
- अमृत सिद्धि योग: सुबह 07:32 से शाम 05: 06 तक

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर 9 दिनों तक उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताज़े पत्तो का तोरण लगाएं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या आसन पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए। मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं, जौ समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। मां की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मन्त्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र 'ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे' से पूजा कर सकते हैं व यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरुर चढ़ाएं। अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए 'ॐ दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्जनार्दनः। दीपो हरतु मे पापं पूजा दीप नमोस्तुते' यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी माँ की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाएं।

चैत्र नवरात्रि पर क्या करें और क्या न करें

- **क्या करें:** सात्विक भोजन, साफ़ सफाई, देवी आराधना,भजन-कीर्तन, जगराता, मंत्रों का जाप और देवी आरती
- **क्या न करें:** प्याज,लहसुन,शराब,मांस-मछली का सेवन, लड़ाई, झगड़ा, कलह, कलेश, काले कपड़े और चमड़े की चीजें न पहने, दाढ़ी,बाल और नाखून न काटें

नवरात्रि के 9 दिनों में 9 देवियों के 9 बीज मंत्र

दिन	देवी	बीज मंत्र
पहला दिन	शैलपुत्री	ह्रीं शिवायै नमः।
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी	ह्रीं श्रीं अम्बिकायै नमः।
तीसरा दिन	चन्द्रघण्टा	ऐं श्रीं शक्तयै नमः।
चौथा दिन	कूष्मांडा	ऐं ह्रीं देव्यै नमः।
पांचवा दिन	स्कंदमाता	ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।
छठा दिन	कात्यायनी	क्लीं श्री त्रिनेत्राय नमः।
सातवाँ दिन	कालरात्रि	क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः।
आठवां दिन	महागौरी	श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः।
नौवां दिन	सिद्धिदात्री	ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

नवरात्रि के दिन के अनुसार भोग

नवरात्रि	नवरात्रि के दिन	माता का भोग
पहला दिन	माँ शैलपुत्री देवी	देसी घी
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी देवी	शक्कर, सफेद मिठाई, मिश्री और फल
तीसरा दिन	चंद्रघंटा देवी	मिठाई और खीर
चौथा दिन	कुष्मांडा देवी	मालपुआ
पांचवां दिन	स्कंदमाता देवी	केला
छठा दिन	कात्यायनी देवी	शहद
सातवां दिन	कालरात्रि देवी	गुड़
आठवां दिन	महागौरी देवी	नारियल
नौवां दिन	सिद्धिदात्री देवी	अनार और तिल

घटस्थापना के लिए पूजा सामग्री

कलश, माता की फोटो, 7 तरह के अनाज, मिट्टी का बर्तन पवित्र मिट्टी, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, सुपारी, जटा वाला नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र, पुष्प

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा से लाभ

दिन	नवरात्रि दिन	तिथि	पूजा-अनुष्ठान
09 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 1	प्रतिपदा	देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।
10 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 2	द्वितीया	देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।
11 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 3	तृतीया	देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।
12 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 4	चतुर्थी	माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।
13 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 5	पंचमी	देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।
14 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 6	षष्ठी	देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।
15 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 7	सप्तमी	देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।
16 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 8	अष्टमी	देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।
17 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 9	नवमी	देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

हिन्दू धर्म में गुड़ी पड़वा का त्योहार हर साल चैत्र महीने के पहले दिन बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन को उगादि के नाम से भी जाना जाता है. नववर्ष 2024 में गुड़ी पड़वा 09 अप्रैल 2024, दिन मंगलवार को मनाया जाएगा. हिंदू धर्म में नववर्ष की शुरुआत चैत्र मास से होती है. महाराष्ट्र में हिंदू नववर्ष को गुड़ी पड़वा के रूप में मनाया जाता है. बता दें कि गुड़ी का अर्थ है ध्वज यानी झंडा और प्रतिपदा तिथि को पड़वा कहा जाता है. इसके अलावा यह दिन फसल दिवस का प्रतीक भी माना जाता है. इस दिन भगवान विष्णु व ब्रह्मा जी की पूजा भी की जाती है. लोग इस दिन घर को रंगोली, फूल-माला आदि से सजाते हैं और कई तरह के पकवान बनाते हैं. गुड़ी पड़वा के दिन महिलाएं सूर्योदय से पहले स्नान आदि के बाद विजय के प्रतीक के रूप में घर में सुंदर गुड़ी लगाती हैं और उसका पूजन करती हैं. यह पर्व विशेष तौर पर कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश में मनाया जाता है.

गुड़ी पड़वा शुभ मुहूर्त

गुड़ी पड़वा की प्रतिपदा तिथि 08 अप्रैल 2024 को रात 11:50 बजे से शुरू होगी और प्रतिपदा तिथि 09 अप्रैल 2024 को शाम 08:30 बजे समाप्त होगी. उदयातिथि के हिसाब से गुड़ी पड़वा का पर्व 9 अप्रैल को ही मनाया जाएगा.

गुड़ी पड़वा

परंपरा और महत्व

गुड़ी पड़वा से जुड़ी ये हैं मान्यताएं

पौराणिक कथाओं के अनुसार, गुड़ी पड़वा का दिन सृष्टि की रचना के रूप में मनाया जाता है. ऐसी मान्यता है कि इस दिन ही भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया था. इसलिए इस दिन भगवान ब्रह्मा की पूजा का विशेष महत्व है. इसके अलावा एक और मान्यता है कि इस दिन ही छत्रपति शिवाजी महाराज ने विदेशी घुसपैठियों को युद्ध में पराजित किया था. कहते हैं कि गुड़ी पड़वा के दिन बुराइयों का अंत होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, रामायण काल में दक्षिण भारत में जब सुग्रीव के बड़े भाई बाली का अत्याचारी शासन था और जब सीता माता की खोज के दौरान श्री राम की मुलाकात सुग्रीव से हुई तो उन्होंने बाली के अत्याचारों की जानकारी मिली. तब भगवान राम ने बाली का वध करके वहां की प्रजा को अत्याचार से मुक्ति दिलाई.

गुड़ी पड़वा की कथाओं में छुपे हैं पौराणिक तथ्य

गुड़ी पड़वा का पर्व महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और गोवा सहित दक्षिण भारतीय राज्यों में उल्लास के साथ मनाया जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन को नवसंवत्सर के रुप में पूरे देश भर में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस पर्व को लेकर खास मान्यताएं हैं। गुड़ी ध्वज यानि झंडे को कहा जाता है और पड़वा, प्रतिपदा तिथि को। मान्यता है के इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था।

दक्षिण भारत में गुड़ी पड़वा की लोकप्रियता का कारण इस पर्व से जुड़ी कथाओं से समझा जा सकता है। दक्षिण भारत का क्षेत्र रामायण काल में बालि का शासन क्षेत्र हुआ करता था। जब भगवान श्री राम माता को पता चला की लंकापति रावण माता सीता का हरण करके ले गये है तो उन्हें वापस लाने के लिये उन्हे रावण की सेना से युद्ध करने के लिये एक सेना की आवश्यकता थी।

दक्षिण भारत में आने के बाद उनकी मुलाकात सुग्रीव से हुई। सुग्रीव ने बालि के कुशासन से उन्हें अवगत करवाते हुए अपनी असमर्थता जाहिर की। तब भगवान श्री राम ने बालि का वध कर दक्षिण भारत के लोगों को उनसे मुक्त करवाया। मान्यता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ही वो दिन था। इसी कारण इस दिन गुड़ी यानि विजयपताका फहराई जाती है।

एक और प्राचीन कथा शालिवाहन के साथ भी जुड़ी है कि उन्होंने मिट्टी की सेना बनाकर उनमें प्राण फूंक दिये और दुश्मनों को पराजित किया। इसी दिन शालिवाहन शक का आरंभ भी माना जाता है।

इस दिन लोग अपने घरों को आम के पत्तों की बंदनवार से सजाते है। खासकर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक व महाराष्ट्र में इसे लेकर बहुत उल्लास होता है। आम के पत्तो की यह बंदनवार लोगों में खुशहाल जीवन की एक उम्मीद जगाती है। अच्छी फसल होने व घर में समृद्धि आने की आशाएं भी लोगों को होती हैं। गुड़ी पड़वा की गिनती वर्ष के तीन मुंहतारे में होती है।

स्वास्थ्य के नज़रिये से भी इस पर्व का महत्व है। इसी कारण गुड़ी पड़वा के दिन बनाये जाने वाले व्यंजन खास तौर पर स्वास्थ्य वर्धक होते हैं। चाहे वह आंध्र प्रदेश में बांटा जाने वाला प्रसाद पच्चड़ी हो, या फिर महाराष्ट्र में बनाई जाने वाली मीठी रोटी पूरन पोली हो। पच्चड़ी के बारे में कहा जाता है कि खाली पेट इसके सेवन से चर्म रोग दूर होने के साथ साथ मनुष्य का स्वास्थ्य बेहतर होता है। वहीं मीठी रोटी भी गुड़, नीम के फूल, इमली, आम आदि से बनाई जाती है। इसी दिन चूंकि नवरात्र भी आरंभ होते हैं इसलिये इस पर्व का उल्लास पूरे देश में अलग-अलग रुपों में देखने को मिलता है जो कि दुर्गा पूजा के साथ रामनवमी के दिन समाप्त होता है। इस दिन लोगों अपने घरों की सफाई कर रंगोली, बंदनवार आदि से घर के आंगन व द्वार को सजाते हैं। घर के आगे एक गुड़ी यानि झंडा रखा जाता है। इसी में एक बर्तन पर स्वास्तिक चिन्ह बनाकर उस पर रेशम का कपड़ा लपेट कर उसे रखा जाता है। पारंपरिक वस्त्र पहने जाते हैं। सूर्यदेव की आराधना की जाती है। इस दिन सुंदरकांड, रामरक्षास्त्रोत, देवी भगवती के मंत्रों का जाप भी किया जाता है।

हिंदू नववर्ष की शुरुआत से चमकेगी इन राशियों की किस्मत

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा गुड़ी पड़वा से होता है. इस बार हिन्दू नववर्ष में कई शुभ योग बन रहे हैं जिसका लाभ कुछ राशियों को मिलेगा.

इस बार हिंदू नववर्ष की शुरुआत 9 अप्रैल से हो रही है. हिंदू नववर्ष को हिंदुओं का नया साल कहा जाता है. इसे गुड़ी पड़वा, उगादी, वैषाखादि, बैसाखी और नवरोज जैसे नामों से भी जाना जाता है. हिंदू नववर्ष पर कई शुभ योग बन रहे हैं जिसका लाभ कुछ राशि के जातकों को मिलने वाला है. जानते हैं सभी 12 राशियों का राशिफल.

• **मेष राशि-** हिंदू नववर्ष से मेष राशि वालों की किस्मत चमकने वाली है. आपको नौकरी के कई नए अवसर मिलेंगे. नौकरी में बदलाव के लिए यह समय शुभ रहेगा. कहीं से अच्छी नौकरी का ऑफर आ सकता है. लोग आपके काम की सराहना करेंगे. ऑफिस में बॉस पूरा सहयोग प्राप्त होगा. प्रमोशन या वेतन वृद्धि होने के संकेत हैं.

• **वृषभ राशि-** वृषभ राशि के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी. आपको किसी पुराने निवेश से लाभ होगा. इस राशि के लोगों को पुराने कर्ज से मुक्ति मिल जाएगी. व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ प्राप्त होगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी.

• **मिथुन राशि-** हिंदू नववर्ष मिथुन राशि के जातकों के लिए विशेष फलदायी रहने वाला है. आपको करियर में कई नए अवसर मिलेंगे. प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिलेगी. प्रॉपर्टी या वाहन खरीदने के शुभ योग बनेंगे.

• **कर्क राशि-** इस राशि के जो लोग पार्टनरशिप में बिजनेस करते हैं उन्हें फायदा होगा. आपके आय में बढ़ोतरी हो सकती है. इस राशि के लोगों को योजनाओं में सफलता मिलेगी. समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कारोबारी अपने व्यापार का विस्तार कर सकते है. पार्टनर के साथ आपके रिश्ते सुधरेंगे.

• **सिंह राशि-** इस राशि के जातकों को हिंदू नव वर्ष पर बन अच्छे परिणामों की प्राप्ति होगी. आपके द्वारा की गई मेहनत सफल होगी. इस समय किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम मिलेंगे. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ऊर्जा के साथ काम करेंगे. वरिष्ठ आपके कार्यों की सराहना करेंगे.

• **कन्या राशि-** इस राशि के जातकों को व्यापार में मुनाफा मिलेगा. बिजनेस में कोई नई डील मिल सकती है. काम में आप सफलता प्राप्त करेंगे. ज्यादातर परिणाम आपके पक्ष में आएंगे. यह समय आर्थिक रूप से आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है. आपके खर्चे कम होंगे और बचत करने में आप सफल होंगे.

• **तुला राशि-** हिंदू नव वर्ष से तुला राशि के जातकों को जीवन में अच्छे बदलाव देखने को मिलेंगे. विदेश से नौकरी का ऑफर मिल सकता है. आपके लिए वेतन में वृद्धि के योग्य बनेंगे. आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी.

• **वृश्चिक राशि-** आपको पुराने किए गए निवेश से लाभ प्राप्त होगा. इस राशि के लोग किसी नए बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं. इस दिन से आपकी किस्मत चमक जाएगी. आप कोई नई प्रॉपर्टी या वाहन आदि खरीद सकते हैं. किसी अच्छे काम के लिए आप पुरस्कृत भी हो सकते हैं.

• **धनु राशि-** धनु राशि के जातकों के लिए नव वर्ष का समय बहुत अच्छा माना जा रहा है. करियर और कारोबार से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा. आपकी आय में बढ़ोतरी हो सकती है. सेहत के मामले में नववर्ष में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे.

• **मकर राशि-** मकर राशि के जातक इस साल खूब लाभ कामाएंगे. आपके खर्चों में कमी आएगी और धन संचय बढ़ेगा. आपका मानसिक तनाव भी कम होगा. इस साल आप सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे. शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी अच्छे अवसर प्राप्त होंगे.

• **कुंभ राशि-** कुंभ राशि के लोगों के लिए हिंदू नव वर्ष बहुत अच?छा साबित होगा. जिन शेयर मार्केट में पैसा लगाया हुआ है, उनकी किस्मत चमक सकती है. आपके लिए आकस्मिक धन लाभ के योग भी बनेंगे.

• **मीन राशि-** हिंदू नव वर्ष आपके जीवन में खुशहाली लेकर आएगा. व्यापार के क्षेत्र में आप खूब पैसा कमाएंगे. आप अपने व्यापार का विस्तार करेंगे. इस राशि के लोगों को अच्छा आर्थिक लाभ होगा. अपनी सूझबूझ के साथ आप बिजनेस में खूब मुनाफा कमाएंगे.

साप्ताहिक समय माया

सीमांकन के बगैर हो गए आसपास निर्माण

गर्मी शुरू होते ही सूख गया पिपलियाहाना तालाब

इंदौर। इंदौर का पिपलियाहाना तालाब अप्रैल माह शुरू होने से पहले ही सूख गया है। पहले इसमें वर्ष भर पानी रहता था। इस तालाब को जीवित रखने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने कई निर्देश दिए थे। उसका पालन नहीं हुआ। सिर्फ जिला कोर्ट की बिल्डिंग 50 फीट पीछे की गई,लेकिन तालाब के प्राकृतिक बहाव हो रहे निर्माणों की अनदेखी की गई। तालाब के पास जो एसटीपी प्लांट लगाया गया है। वह भी 24 घंटे काम नहीं करता है। इस वजह से तालाब जल्दी सूख रहा है और आसपास के क्षेत्रों का भूजल स्तर भी कम हो रहा है। पिपलियाहाना तालाब 50 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला हुआ है और उसका केचमेंट एरिया और चैनल भी था, लेकिन बीते 15 वर्षों में तालाब के केचमेंट एरिया पर स्कीम-140 की सड़क बना दी गई। इसके अलावा एक बस्ती तालाब की जमीन पर बस गई। गोयल नगर का कुछ हिस्सा भी तालाब की जमीन पर है। वर्ष 2017 में आधे तालाब के हिस्से में जिला कोर्ट की बिल्डिंग के लिए लोक निर्माण विभाग ने रिटेनिंग वॉल बना दी थी। लोहे और सीमेंट कांक्रिट की मोटी दीवार के कारण तब तालाब में पानी नहीं भर पाया था। इसके बाद रहवासियों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने तालाब के लिए आंदोलन किए। मामला एनजीटी और हाईकोर्ट तक पहुंचा। इसके बाद कोर्ट बिल्डिंग पीछे हटाकर बनाने का फैसला लिया। तब एनजीटी ने तालाब का सीमांकन करने और तालाब की चैनलों पर निर्माण न होने के आदेश भी दिए थे, लेकिन उसका पालन जिम्मेदार संस्थानों ने नहीं किया।

तालाब का सीमांकन जरुरी

हमने तालाब की जमीन बचाई। रहवासियों के साथ जल सत्याग्रह किया। एनजीटी ने प्रशासन का तालाब का सीमांकन कराने के लिए कहा था, ताकि यह पता चल सके कि तालाब की जमीन पर कितना अवैध निर्माण हो चुका है। तालाब के प्राकृतिक बहाव को रोक दिया गया है। जब तक उसे ठीक नही किया जाएगा। तालाब में पानी वर्षभर नही रह सकता है।

आसपास की 30 कॉलोनियों का भूजल स्तर बढ़ाता है तालाब

- तालाब लबालब होने पर आसपास की 30 से ज्यादा कॉलोनियों का भूजल स्तर मेंटेन रहता है। अप्रैल मई माह में भी आसपास के क्षेत्रों के बोरिंग नहीं सूखते है।
- तालाब में वर्षभर पानी रहे तो तालाब पर्यटन स्थल का रुप भी ले सकता है। पहले यहां नाव चलाने की योजना थी। तत्कालीन महापौर परिषद सदस्य समीर चिटनीस ने तालाब को संवारने की योजना पर काम भी शुरू किया था।
- तालाब की पाल पर ग्रीन बेल्ट भी हो सकता है विकसित। हरियाली रहने से तापमान कम रहता है।

पूरे समय नहीं मिलता प्लांट का पानी

ट्रीटमेंट प्लांट से ढाई लाख लीटर पानी तालाब में छोड़ने की कवायद नगर निगम ने की। इसके लिए एक प्लांट भी तालाब के पास बनाया, लेकिन हकीकत यह है कि प्लांट पूरे समय काम नहीं करता। बीच-बीच में उसे बंद कर दिया जाता है और तालाब में हर दिन ढाई लाख लीटर पानी नहीं मिलता। यदि प्लांट 24 घंटे काम करता तो तालाब में पानी नहीं सूखता। ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता आधा एमएलडी है। उसे नगर निगम को एक एमएलडी करना चाहिए।

- अजय सिंह नरुका, पूर्व सभापति नगर निगम

इंदौर के पुराने जल स्त्रोतों को पुनः जीवित किया जाए

अगर जनता व जल स्त्रोतों के ही हित चिंतक हैं। तो नेताओं ने आईटीआई के पास बने तालाब इसमें कालोनियां कट गईं। अन्नपूर्णा का तालाब पिपलियाहाना तालाब व ऐसे अनेकों जल स्त्रोतों पर जिन पर भू माफियाओं की नजरे पड़ते ही उन्होंने उसको खत्म करके कॉलोनिया टेंट हाउस मैरिज गार्डन बना लिए।

जैसे कि गंदे तालाब में जो परदेसी पुरा चौराहे से लेकर चंद्रगुप्त चौराहे तक, ऐसे ही अनेकों स्त्रोत होंगे पूरे इंदौर नगर में जिन पर भू माफिया की नजर पड़ते ही उन्होंने उसको धीरे-धीरे भराई करके कब्जे में ले लिया। उसके साथ-साथ जो बड़े-बड़े तालाब है। उनके सारे केचमेंट एरिया जहां से पानी आकार में एकत्र होता था। पर बड़ी-बड़ी कालोनियां नेताओं भू माफिया कॉलोनी माफियाओं ने कलेक्टर कमिश्नर टाउन कंट्री प्लानिंगआदि को खरीद कर काट दीऔर कुछ नहीं 1960 तकजितनी नदियां बहती थी उनके आसपास कॉलोनी नदियों के बहाव क्षेत्र में बड़ी-बड़ी सड़कें बना दी गईं। हाल ही में एक सड़क कोरोना काल में नगर निगम के हरामखोरों चंडलोनीइस नदी सफाई योजना के धन से करोड़ों में चंद्रभागा पुल के पास से नंदलाल पुरा पुल के पास तक बना दी गईं। 20% शहर की कॉलोनी शॉपिंग मॉल मल्टी स्टोरी बिल्डिंग उन नदियों के बहाव क्षेत्र व कैचमेंट एरिया के नालों में जिसमें एम आइजी के नाले के पास दोनों तरफ बड़तावर रामनगर से लेकर जहां पर प्रेमचंद गुड्डू ने श्मशान घाट और नालों की जमीन पर, पूरा पुराना पलासिया व थाना व उसकी कालोनी नाले के किनारे बसा हुआ है। अनेकों कॉलोनी खड़ी कर दीं। यही हाल पूरे इंदौर का है उसमें तीन नदियां कान्हा सरस्वती और खान और उसके कैचमेंट एरिया के नाले बहते थे। अगर उसके कैचमेंट एरिया में कब्जे कालोनियां नहीं कटती। वही हाल चिड़ियाघर से निकलने वाले नाले और छावनी के बाद में से बहने वाली नदी के दोनों तरफ छावनी क्षेत्र में किया गया और नदियों में पानी बहता रहता तो इंदौर में कभी पानी की कमी नहीं होती और ना ही नर्मदा से लिफ्ट करके ऊपर लाना पड़ता? 70 साल पुराने 1950 के नक्शों का अध्ययन करिए। जहां इंदौर में चारों तरफ नदियां ही नदियां और उनमें कल कल बहता जल था। क्या उनको पुनः जीवित कर पाएंगे?

एक तरफ चुनाव जीतने का षड्यंत्र

ये योजनाबद्ध साजिश हैं। कोई चौथी फैल भी चुनाव प्रत्याशी फार्म भरने के लिए वकीलो सलाहकार से मार्गदर्शन लेता हैं, साथ ही प्रमोटर और गवाह अनिवार्य होते हैं ..

फार्म जमा करने से पूर्वनीचे अधिकारी देखते हैं उसको देखने के बाद में जो फार्म स्वीकार करने वाला अधिकारी कलेक्टर होता हैवह भी फॉर्म को बारीकी से देखा हैलगाए गए प्रमाण पत्रों को जांचता है। कोई भी खाली जगह प्रत्याशी हस्ताक्षर जब सबकी जांच की जाती है।

तो यह कैसे संभव है कि प्रत्याशी ने बिना हस्ताक्षर के फॉर्म जमा कर दिया और स्वीकार करने वाले सुरदास कलेक्टर ने उसे स्वीकार भी कर लिया।

संभावित यह हैकि उसकी वैसी की वैसी पुनः फोटोकॉपी तैयार की गई होऔर हस्ताक्षरपर कागज रखकर दबा दिया गया होजहां हस्ताक्षर किए हो उसे वाइटनर, स्याही साफ करने वाले रसायन से साफ कर दिया गया हो। ताकि आसानी से फॉर्म रिजेक्ट किया जा सके।

तत्कालकलेक्टर को भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी 197 198 वह अन्य जालसाजी की धरो में प्रकरण पंजीबद्ध करवा कर कलेक्टर को तत्काल सरकार हटाए और पुनः अन्य उम्मीदवारों के फार्म स्वीकार किए जाएंवैसे भी नड्डा जिस गिरोह का है।

वहां ऐसी जालसाजिया करना व करवाना बड़ा सामान्य सी बात है चाहे वह चंडीगढ़ का महापौर चुनाव हो।

प्रत्याशी को राष्ट्रीय पंजीकृत दल से बी फार्म प्राप्त करना भी आसान नही होता। ऐसी स्थिति में प्रत्याशी के हस्ताक्षर नहीं होना .. और फार्म जमा कर्ता के संज्ञान में नहीं होना, अपराधिक मामला लगता हैं।

फेक न्यूज शेयर की तो खैर नहीं

चुनाव आयोग चुनावों में सोशल मीडिया के दुरुपयोग से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके लिए 1,000 से अधिक व्हाट्सएप ग्रुप पर अंदरूनी निगरानी रखने से लेकर फर्जी खबरों से लड़ने तक की प्लानिंग की गई है। न केवल राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सोशल मीडिया हैंडल पर नजर रखी जा रही है, बल्कि सर्च इंजन पर भी 25 से अधिक संवेदनशील कीवर्ड को स्कैन किया जा रहा है, जो संभवतः राज्य में चुनावों से संबंधित हो सकते हैं। प्रत्येक जिले में व्हाट्सएप समूहों की निगरानी के लिए एक अधिकारी नामित है। ये व्यक्ति अपने जिलों में कम से कम 20-25 समूहों के सदस्य हैं। किसी भी संवेदनशील सामग्री के मामले में वे जिला चुनाव अधिकारियों के साथ-साथ सोशल मीडिया निगरानी टीम को भी सूचित करेंगे।

निर्वाचन कार्यालय में देना होगी चुनाव से संबंधित मुद्रित सामग्री की प्रति

लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों एवं निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के व्यय पर कड़ी नजर रखने के लिए समस्त केबल आपरेटर एवं प्रिंटिंग प्रेस मालिकों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया है। निर्देशों में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव के दौरान केबल आपरेटर एवं प्रिंटिंग प्रेस मालिकों को विशेष एहतियात बरतनी है। उनके किसी भी प्रसारण एवं मुद्रण से शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका होगी तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रिंटिंग प्रेस मालिकों से कहा गया है कि उनके द्वारा चुनाव संबंधी जो सामग्री प्रकाशित की जाती है, उसकी चार प्रतियां मय घोषणा पत्र, जिला निर्वाचन कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। प्रकाशित की गई सामग्री में प्रिंटिंग लाइन अवश्य दी जाए, जिसमें मुद्रक, प्रकाशक का नाम, पता और प्रकाशित सामग्री की संख्या दर्ज हो।

चीन की इलाके हथियाने की नीति

पेज 1 का शेष

5. हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग पहले चीन का ही हिस्सा था, लेकिन 1842 में ब्रिटिशों के साथ हुए युद्ध में चीन को इसे गंवाना पड़ा। 1997 में ब्रिटेन ने चीन को हॉन्गकॉन्ग लौटा दिया, लेकिन इसके साथ 'वन कंट्री, टू सिस्टम' समझौता भी हुआ, जिसके तहत चीन हॉन्गकॉन्ग को अगले 50 साल तक राजनैतिक तौर पर आजादी देने के लिए राजी हुआ। हॉन्गकॉन्ग के लोगों को विशेष अधिकार मिले हैं, जो चीन के लोगों को नहीं हैं।

6. मकाउ

मकाउ पर करीब 450 साल तक पुर्तगालियों का कब्जा था। दिसंबर 1999 में पुर्तगालियों ने इसे चीन को ट्रांसफर कर दिया। मकाउ को ट्रांसफर करते समय भी वही समझौता हुआ था, जो हॉन्गकॉन्ग के साथ हुआ था। हॉन्गकॉन्ग की तरह ही मकाउ को भी चीन ने 50 साल तक राजनैतिक आजादी दे रखी है।

भारत के कितने हिस्से पर चीन का कब्जा है?

इसी साल 11 मार्च को लोकसभा में दिए जवाब में विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने बताया था कि चीन अरुणाचल प्रदेश के 90 हजार स्क्वायर किमी के हिस्से पर अपनी दावेदारी करता है। जबकि, लद्दाख का करीब 38 हजार स्क्वायर किमी का हिस्सा चीन के कब्जे में है।

इसके अलावा 2 मार्च 1963 को चीन-पाकिस्तान के बीच हुए एक समझौते के तहत पाकिस्तान ने पीओके का 5 हजार 180 स्क्वायर किमी चीन को दे दिया था। माना जाए तो अभी जितने भारतीय हिस्से पर चीन का कब्जा है, उतना एरिया स्विट्जरलैंड का भी नहीं है।

कुल मिलाकर चीन ने भारत के 43 हजार 180 स्क्वायर किमी पर कब्जा जमा रखा है, जबकि स्विट्जरलैंड का एरिया 41 हजार 285 स्क्वायर किमी है।

सिर्फ देश या जमीन ही नहीं, समंदर पर भी अपना हक जताता है चीन

1949 में कम्युनिस्ट सरकार बनने के बाद से ही चीन दूसरे देशों, इलाकों पर कब्जा जमाता रहता है। चीन की सीमाएं 14 देशों से लगती है, लेकिन एक रिपोर्ट बताती है कि चीन 23 देशों के इलाकों को अपना हिस्सा बताता है।

इतना ही नहीं चीन दक्षिणी चीन सागर पर भी अपना हक जताता है। इंडोनेशिया और वियतनाम के बीच पड़ने वाला यह सागर 35 लाख स्क्वायर किमी में फैला हुआ है। यह सागर इंडोनेशिया, चीन, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और ब्रुनेई से घिरा है। लेकिन, सागर पर इंडोनेशिया को छोड़कर बाकी सभी 6 देश अपना दावा करते हैं।

आज से कुछ सालों पहले तक इस सागर को लेकर कोई तनातनी नहीं होती थी। लेकिन, आज से करीब 5 साल पहले चीन के समंदर में खुदाई करने वाले जहाज, ईंट और रेत लेकर दक्षिणी चीन सागर पहुंचे। पहले यहां एक छोटी समुद्री पट्टी पर बंदरगाह बनाया गया। फिर हवाई जहाजों के उतरने के लिए हवाई पट्टी। और फिर देखते ही देखते चीन ने यहां आर्टिफिशियल द्वीप ही तैयार कर सैन्य अड्डा बना दिया।

चीन के इस काम पर जब सवाल उठे, तो उसने दावा किया कि दक्षिणी चीन सागर से उसका ताल्लुक 2 हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। इस सागर पर पहले जापान का कब्जा हुआ करता था, लेकिन दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के तुरंत बाद चीन ने इस पर अपना हक जता दिया।

सीबीआई, ईडी और आईटी की अति क्यों..?

पेज 1 का शेष

वंचित वर्ग के लोगों के पास बैंक खाते हो जाने से उनमें आत्मविश्वास जागृत हुआ है। केंद्र सरकार की आयुष्मान तथा अनेक योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन से एक विशाल लाभार्थी वोट बैंक मोदी ने निर्मित कर लिया है। मध्यम वर्ग के लोगों में हिंदुत्व की भावना को प्रगाढ़ किया गया है तथा राम मंदिर के निर्माण से बीजेपी के हिंदुत्व एजेंडे को विश्वसनीयता मिली है। मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग के लोग देश के इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से सरकार के प्रति उत्साहित हैं। एयरपोर्ट, बंदरगाह, सड़क तथा रेलवे के आधुनिकीकरण से देश की GDP तेज़ी से बढ़ा रही है तथा इसका बड़ा हिस्सा सम्पन्न वर्ग के पास जा रहा है। बिज़नेस फ्रेंडली वातावरण बनाने के प्रयासों से उद्योगपति वर्ग को अपना बिस्तार करने में बहुत सहायता मिली है। मोदी एकमात्र विश्व में ऐसे लोकप्रिय नेता हैं जिन्हें अपने देश की एलीट का भी व्यापक समर्थन है। यह प्रश्न उठता है कि यदि मोदी और उनकी पार्टी बीजेपी इतनी सशक्त है तो उसे विपक्षियों के विरुद्ध अनुपातहीन कार्रवाई करने से क्या लाभ होगा? पार्टी को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और उसकी भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्यवाही सबको निष्पक्ष दिखनी चाहिए। जिनके ऊपर अपराध पंजीबद्ध है और वे बीजेपी पार्टी में सम्मिलित हो जाते हैं तो उनके विरुद्ध भी उसी तत्परता से कार्रवाई जारी रहनी चाहिए जितनी दूसरे विपक्षियों के विरुद्ध हो रही है।

देश को मोदी के 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना में विश्वास है। देशवासी बहुत आशा से और उमंग से भविष्य को देख रहे हैं। भविष्य निर्माण में पूरे समर्पित भाव से लगने के लिए देश में एक सामान्य सहमति तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अनिवार्यता है।

हाई अलर्ट पर इस्राइल

पेज 1 का शेष

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईरान के संभावित हमले को देखते हुए इस्राइल भी हाई अलर्ट पर है और इस्राइल में कई जगहों पर नेविगेशन सिस्टम बंद कर दिया गया है। इस्राइल को आशंका है कि ईरान, इस्राइल पर हमले के लिए गाइडेड मिसाइल और ड्रोन्स का इस्तेमाल कर सकता है। ऐसे में नेविगेशन बंद होने से ईरान को परेशानी होगी। इस्राइल में लोकेशन पर आधारित एप सर्विस भी बंद कर दी है। इस्राइली सेना ने अपने सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और उनकी तैनाती के आदेश दिए हैं। कई शहरों में एंटी बॉम्ब शेल्टर शुरू कर दिए गए हैं।

ऑनलाइन गेम कर रहा बचपन बर्बाद

पेज 8 का शेष

प्रतिभागियों

वर्तमान अध्ययन में समस्याग्रस्त ऑनलाइन गेमिंग आदतों 296 पुरुष 96% और 12 महिलाएं 4%, आयु: औसत = 21.0 + 5.9 वर्ष, सीमा: 12-45 वर्ष वाले 308 रोगियों की जांच की गई, जिन्होंने ऑनलाइन गेम क्लिनिक सेंटर का दौरा किया था। जून 2011 से मार्च 2013 तक ओओ यूनिवर्सिटी अस्पताल। ओओ यूनिवर्सिटी और ओओ यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में पोस्ट किए गए विज्ञापनों के माध्यम से, 153 स्वस्थ तुलनात्मक विषय 118 पुरुष 77% और 35 महिलाएं 23%, उम्र: 21.2 + 5.5 वर्ष, सीमा: 13-40 वर्ष को स्वेच्छा से भाग लेने के लिए भर्ती किया गया था

परिणाम

ऑनलाइन गेमिंग लत पीजीए वाले मरीजों और स्वस्थ तुलना विषयों तालिका 1 के बीच लिंग, आत्म-सम्मान, आवेग, एडीएचडी, अवसाद, चिंता, पारिवारिक वातावरण स्केल स्कोर, सामाजिक चिंता स्केल स्कोर और लगातार त्रुटियों में महत्वपूर्ण अंतर थे। हालाँकि, पीजीए और स्वस्थ तुलनात्मक विषयों के बीच उम्र या आईक्यू में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। पीजीए समूह में ऑनलाइन गेम खेलने का औसत समय 5.9 + 2.5 घंटे/दिन था।

बहस

व्यक्तिगत कारकों, संज्ञानात्मक कार्यों, मनोविकृति और सामाजिक अंतःक्रियाओं सहित चार जोखिम श्रेणियों में से, मनोविकृति सभी रोगियों में ऑनलाइन गेमिंग की लत के लिए सबसे मजबूत जोखिम कारक थे। विशेष रूप से, सेक्स, आत्म-सम्मान, ध्यान, अवसादग्रस्त मनोदशा, पारिवारिक वातावरण और लगातार त्रुटियां ऑनलाइन गेमिंग की लत से महत्वपूर्ण रूप से जुड़ी हुई थीं। शुद्ध ऑनलाइन गेमिंग लत वाले रोगियों में, व्यक्तिगत कारकों, मनोवैज्ञानिकों के साथ जुड़ाव पाया गया।

सीमाएँ

वर्तमान परिणामों की कई सीमाएँ हैं। सबसे पहले, हालांकि हमने पिछले अध्ययनों के आलोक में सांख्यिकीय डिजाइन निर्धारित किया है, स्वतंत्र कारकों का मनमाना वर्गीकरण और 'ऑनलाइन गेमिंग लत' के मनमाने समावेशन मानदंड ऑनलाइन गेमिंग लत की भविष्यवाणी करने वाले कारकों की विश्वसनीयता को कम कर सकते हैं। विशेष रूप से, ऑनलाइन गेमिंग की लत को शामिल करने के मानदंड के रूप में गेमिंग में बिताया गया समय विवादास्पद है चार्लटन और डैनफोर्थ, 2007, स्कोरिक एट अल., 2009।

निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन ने ऑनलाइन गेमिंग की लत के लिए जोखिम कारकों के चार सेटों के पदानुक्रमित महत्व का आकलन किया। इन कारक सेटों में ऑनलाइन गेमिंग की लत वाले रोगियों में व्यक्तिगत कारक, संज्ञानात्मक कार्य, मनोविकृति और सामाजिक संपर्क शामिल थे। एडीएचडी और अवसाद सहित मनोविकृति व्यसन के लिए सबसे मजबूत जोखिम कारक थे। ऑनलाइन गेम की लत की रोकथाम के लिए एडीएचडी और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार का नियंत्रण और उपचार महत्वपूर्ण हो सकता है।

ऑनलाइन गेम कर रहा बचपन बर्बाद

भारत मे सरकार ऑनलाइन गेमिंग कंपनियो से मोटा कमीशन खाकर वैधानिक बनाने पर तुली

ऑनलाइन गेमिंग की लत को एक मानसिक विकार के रूप मे तेजी से पहचाना जा रहा है। हालाँकि, ऑनलाइन गेमिंग की लत को जन्म देने वाले पूर्वानुमानित कारक अच्छी तरह से स्थापित नही हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य उन कारको की पहचान करना था जो ऑनलाइन गेमिंग की लत के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। समस्याग्रस्त ऑनलाइन गेमिंग लत वाले कुल 263 मरीज 255 पुरुष 97% और 8 महिलाएं 3%, उम्र: औसत = 20.4 + 5.8 वर्ष और 153 स्वस्थ तुलनात्मक विषय 118 पुरुष 77% और 35 महिलाएं 23%, आयु: 21.2 + 5.5 वर्ष, सीमा को वर्तमान अध्ययन मे भाग लेने के लिए भर्ती किया गया था। चर के प्रत्येक सेट के बीच पदानुक्रमित लॉजिस्टिक प्रतिगमन विश्लेषण आयोजित किए गए थे।

व्यक्तिगत कारको लिंग और उम्र, संज्ञानात्मक कारको बुद्धि और दृढ़ता संबंधी त्रुटियां, मनोविकृति संबंधी स्थितियां एडीएचडी, अवसाद, चिंता और आवेग, और सामाजिक संपर्क कारको पारिवारिक वातावरण, सामाजिक चिंता और आत्मसम्मान का मूल्यांकन किया गया। चरणबद्ध फैशन। सभी चार कारक ऑनलाइन गेमिंग की लत से जुड़े थे, मनोविकृति संबंधी स्थितियां लत के लिए सबसे मजबूत जोखिम कारक थी। व्यक्तिगत कारक, मनोवैज्ञानिक कारक और सामाजिक संपर्क शुद्ध ऑनलाइन गेमिंग लत के विकास से जुड़े थे। पहले की तरह, मनोवैज्ञानिक कारक ध्यान, मनोदशा, चिंता और आवेग शुद्ध ऑनलाइन गेमिंग लत वाले रोगियो मे ऑनलाइन गेमिंग लत के लिए सबसे मजबूत जोखिम कारक थे। एडीएचडी और अवसाद सहित मनोविकृति, व्यक्तियो मे ऑनलाइन गेमिंग की लत के विकास से जुड़े सबसे मजबूत कारक थे।

हाल ही मे, यह सुझाव दिया गया है कि इंटरनेट की लत एक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है लैम, पेंग, माई, और जिंग, 2009। इंटरनेट की लत विशेष रूप से किशोरो के बीच दैनिक जीवन, शैक्षणिक प्रदर्शन, पारिवारिक रिश्ते और भावनात्मक विकास को खराब कर सकती है। 1996 से, जब 'इंटरनेट लत' की अवधारणा को एक नए नैदानिक विकार के रूप मे पेश किया गया था, इंटरनेट लत का शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परिणामो के संदर्भ मे अध्ययन किया गया है, खासकर चीन, कोरिया और ताइवान मे। हालाँकि, इंटरनेट की लत की ओर ले जाने वाले कारण या गंभीर कारक अज्ञात बने हुए हैं, हालांकि कई अध्ययनो ने जनसांख्यिकीय कारको, मनोविकृति संबंधी स्थितियो, मनोसामाजिक और पारिवारिक वातावरण और संज्ञानात्मक कार्यों के संदर्भ मे इसके कारणो का पता लगाने का प्रयास किया हैं अबौजाउडे एट अल., 2006, हा और अन्य, 2006, पार्क और अन्य, 2011, त्साई और अन्य, 2009, वांग और वांग, 2013।

सामान्य तौर पर, पिछले अध्ययनो मे ऑनलाइन गेमिंग की लत से संबंधित व्यक्तिगत कारको जैसे लिंग और उम्र पर विचार किया गया है। अधिकांश अध्ययनो से पता चलता है कि पुरुष सेक्स मे महिला सेक्स की तुलना मे इंटरनेट की लत का खतरा 2-3 गुना अधिक होता है ली एट अल., 2013, ससमाज़ एट अल., 2014। इसके अलावा, किशोरो मे इंटरनेट की लत के लिए अधिक उम्र को एक जोखिम कारक बताया गया है अहमदी और सगाफ़ी, 2013।

ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण संज्ञानात्मक कारको के संदर्भ मे, आईक्यू और संज्ञानात्मक लचीलेपन पर विचार किया गया है। पार्क एट अल द्वारा एक अध्ययन। 2011 ने नोट किया कि इंटरनेट की लत वाले किशोरो मे स्वस्थ नियंत्रण विषयो की तुलना मे वेक्स्लर एडल्ट इंटेलिजेंस स्केल डब्ल्यूएआईएस-आर पर व्यापक उप-आइटम स्कोर कम है। झाउ, युआन और याओ 2012 के एक अध्ययन से संकेत मिलता है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत वाले मरीज़ गो/नो-गो परीक्षणो के संशोधित संस्करणो मे कम मानसिक लचीलापन और प्रतिक्रिया अवरोध प्रदर्शित करते हैं। हमारे पिछले अध्ययन मे, ऑनलाइन गेमिंग की लत वाले रोगियो ने विस्कॉन्सिन कार्ड सॉर्टिंग टेस्ट हान, लियू, और रेनशॉ, 2012 पर लगातार प्रतिक्रियाओ और लगातार त्रुटियो की संख्या मे वृद्धि देखी।

मनोविकृति संबंधी स्थितियां जो अक्सर ऑनलाइन गेमिंग की लत, ध्यान की कमी और अति सक्रियता विकार एडीएचडी, प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार एमडीडी, चिंता और आवेग के साथ सह-रुग्ण होती हैं, उन पर विचार किया गया है। इंटरनेट की लत के कई पिछले अध्ययनो से पता चला है कि समस्याग्रस्त इंटरनेट उपयोग वाले रोगियो मे कुछ लक्षण अन्य मनोविकृति मे देखे गए लक्षणो के समान ही होते हैं अबौजाउडे एट अल., 2006। उदाहरण के लिए, दक्षिण कोरियाई नमूना आबादी मे एडीएचडी और एमडीडी सबसे आम सहवर्ती विकार हैं, और इंटरनेट की लत की नैदानिक विशेषताएं एडीएचडी या एमडीडी हा एट अल., 2006, पार्क एट अल. वाले रोगियो मे नैदानिक लक्षणो के समान हैं। 2013, यू एट अल., 2004। 987 भारतीय किशोरो गोयल, सुब्रमण्यम, और कामथ, 2013 के एक सर्वेक्षण मे, उच्च इंटरनेट लत स्कोर वाले किशोरो ने चिंता और अवसाद के पैमाने पर भी उच्च स्कोर दिखाया। हिंसक खेलो और आक्रामक व्यवहार के बीच संबंध विवादास्पद है। हिंसक खेलो और आक्रामक व्यवहार के बीच संबंध विवादास्पद है। पिछले अध्ययन मे हिंसक वीडियो गेम और स्वस्थ विषयो मे आक्रामक व्यवहार के बीच संबंध का सुझाव दिया गया था एंडरसन एंड डिल, 2000। हालाँकि, हाल ही मे समय श्रृंखला विश्लेषण और मेटा-विश्लेषण से पता चला है कि हिंसक फिल्मे आक्रामक व्यवहार प्रेस मे मार्के, फ्रेंच और मार्के के साथ नकारात्मक रूप से संबंधित हैं, और इस बात का कोई सबूत नही है कि हिंसक वीडियो गेम बच्चो मे आक्रामकता बढ़ाते हैं फर्ग्यूसन, मुद्रणालय मे।

सामाजिक संपर्क के संदर्भ मे ऑनलाइन गेमिंग की लत से संबंधित कारको, पारिवारिक वातावरण, सामाजिक चिंता और आत्मसम्मान पर विचार किया गया है। 1642 लोगो 19-60 वर्ष की आयु के एक ऑनलाइन सर्वेक्षण के आधार पर , वांग और वांग 2013 ने बताया कि अत्यधिक इंटरनेट का उपयोग खराब ऑफ़लाइन सामाजिक समर्थन वाले व्यक्तियो मे साइबरस्पेस सामाजिक मुठभेड़ो से प्रेरित होता है, जिसमे परिवार के सदस्यो का समर्थन भी शामिल है।

हालाँकि, 2348 कॉलेज छात्रो, येन एट अल के एक सर्वेक्षण के आधार पर। 2012 ने सुझाव दिया कि सामाजिक चिंता वाले व्यक्तियो के लिए इंटरनेट एक अच्छा वैकल्पिक माध्यम है। इसके विपरीत, ली और स्टेपिंस्की 2012 ने बताया कि ऑनलाइन संचार कथित सामाजिक चिंता के उच्च स्तर वाले व्यक्तियो मे आमने-सामने के टकराव को बढ़ा देता है।

ऐसा माना जाता है कि आत्म-सम्मान सामाजिक संबंधो मे मध्यस्थता करता है और ऑनलाइन सामाजिक संपर्कों को प्राथमिकता देता है कैपलान, 2005, फियोरावंती एट अल., 2012, स्टिन्सन एट अल., 2008। बोज़ोग्लान, डेमिरर और साहिन 2013 ने पाया कि 18-24 वर्ष की आयु के तुर्की विश्वविद्यालय के छात्रो के एक नमूने मे कम आत्मसम्मान इंटरनेट की लत से जुड़ा था। लेमेनगर एट अल द्वारा एक अध्ययन। 2013 ने मल्टीप्लेयर ऑनलाइन रोल-प्लेइंग गेम के प्रमुख उपयोगकर्ताओ के रूप मे पहचाने जाने वाले व्यक्तियो मे आत्मविश्वास की कमी की सूचना दी।

हालाँकि, इनमे से प्रत्येक अध्ययन ने परिवर्तनीय जोखिम कारको के बीच पदानुक्रमित महत्व पर विचार किए बिना, केवल एक या दो स्वतंत्र कारकों पर ध्यान केंद्रित किया।

जैसा कि अन्य व्यसन विकारो के साथ-साथ बच्चो और किशोरो के विकारो ली एट अल., 2013 मे देखा गया है, ऑनलाइन गेमिंग की लत के लिए जोखिम कारको के पदानुक्रमित महत्व की पहचान नीति और उपचार को प्रभावित कर सकती है। ओओ यूनिवर्सिटी अस्पताल मे ऑनलाइन गेम क्लिनिक सेंटर मे लगातार भेजे गए ऑनलाइन गेमिंग लत वाले मरीजो के आधार पर, हमारा उद्देश्य ऑनलाइन गेमिंग लत वाले मरीजो मे व्यक्तिगत कारको, संज्ञानात्मक कार्यों, मनोवैज्ञानिक स्थितियो और मनोसामाजिक और पारिवारिक समर्थन के स्तर के बीच पदानुक्रमित महत्व का आकलन करना था।

(शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक

समय माया

samaymaya.com

करोड़ों किसानों मजदूरों छोटे व्यवसायियों उद्योगों, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों ठेका संविदा कर्मियों के हितों की रक्षा व देशी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के षड्यंत्रों के विरुद्ध पिछले 25 वर्षों से संघर्षरत

साप्ताहिक समयमाया समाचार पत्र व samaymaya.com की वेबसाइट पर समाचार, शिकायतें और विज्ञापन (प्रिंट एवं वीडियो) के लिए संपर्क करें

मप्र के समस्त जिलों में एजेंसी देना है एवं संवाददाता नियुक्त करना है

मो. 9425125569 / 9479535569

ईमेल: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादकः अजमेरा एस.पी. कुमार, मो. 9425125569, भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9425637958